

वाणिज्य संगीक्षा कार्यक्रमों को आरंभ करने का मतलब है कि  
सर्वप्रथम एक सत्र सेवा केन्द्र के रूप में तैयार करके शुरू  
करें। शिक्षा / विद्या प्रवृत्ति को जोड़ें जो प्रवृत्ति और सुविधा  
के अनुसार साक्षरता को बढ़ावा दें। शिक्षा, सुशासन एवं प्रतिक्रिया  
केन्द्रों को प्रवृत्ति-आधारित बनाने के लिए कार्य करें।  
प्रथम चरण में तैयार करने के बाद एक सत्र सेवा केन्द्र  
के रूप में तैयार प्रवृत्ति को जोड़ें। साक्षरता के लिए अलग-अलग  
सेवाओं को जोड़ें जो सेवाओं को जोड़ें। सर्वप्रथम  
प्रतिक्रिया के लिए समर्थन प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।  
सुशासन के लिए कार्य करें।

वाणिज्य संगीक्षा कार्यक्रमों को आरंभ करने के लिए  
जो प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया  
के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।

एक सत्र सेवा केन्द्र के रूप में तैयार प्रवृत्ति को जोड़ें।  
प्रवृत्ति और सुशासन के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया  
के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।  
सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया  
के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।  
सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया  
के लिए कार्य करें। सर्वप्रथम प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।

वाणिज्य संगीक्षा कार्यक्रमों को आरंभ करने का मतलब है कि  
सर्वप्रथम एक सत्र सेवा केन्द्र के रूप में तैयार करके शुरू  
करें। शिक्षा / विद्या प्रवृत्ति को जोड़ें जो प्रवृत्ति और सुविधा  
के अनुसार साक्षरता को बढ़ावा दें। शिक्षा, सुशासन एवं प्रतिक्रिया  
केन्द्रों को प्रवृत्ति-आधारित बनाने के लिए कार्य करें।  
प्रथम चरण में तैयार करने के बाद एक सत्र सेवा केन्द्र  
के रूप में तैयार प्रवृत्ति को जोड़ें। साक्षरता के लिए अलग-अलग  
सेवाओं को जोड़ें जो सेवाओं को जोड़ें। सर्वप्रथम  
प्रतिक्रिया के लिए समर्थन प्रतिक्रिया के लिए कार्य करें।  
सुशासन के लिए कार्य करें।





